## आरती जगदम्बे जी की

ओ अम्बे, तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गावें भारती ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ।।
तेरे भक्त जनों पर मैया भीड़ पड़ी है भारी,
दानव दल पर टूट पड़ो मां, करके सिंह सवारी,
सौ सौ सिंहों से है बलशाली, दस भुजाओं वाली,
दुखियों के दुखड़े निवारती, औ मैया... ।
मां-बेटे का है इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता,
पूत-कपूत सुने हैं पर ना माता सुनी कुमाता,
सब पे करुणा दर्शाने वाली, सबको हर्षाने वाली,
नैया भंवर से उबारती, औ मैया... ।
नहीं मांगते धन और दौलत, ना चांदी ना सोना,
हम तो मांगें मां तेरे चरणों में, एक छोटा सा कोना,
सबकी बिगड़ी बनाने वाली, लाज बचाने वाली,
सतियों के सत को संवारती, औ मैया... ।

## विवरण

अपने हाथों मे खप्पर धारण करने वाली ओ माँ जगदम्बे ! हम भारत में रहने वाले लोग आपके गुणों का बखान कर-कर के आपकी आरती उतार रहें हैं । हे मइया ! आपके भक्तों पर भारी संकट आ पड़ा है । आप अपने सिंह की सवारी पर सवार होकर दुष्टों के दल पर टूट पड़ो, आपके दस भुजाओं का बल तो सौ-सौ सिंहो से भी अधिक है ।

आपके दरबार में जो भी दुःखी प्राणी आते हैं, उनके दुःखों का आप अंत कर देती हैं । माँ एवं बेटे का नाता इस जग में बहुत ही निराला है, पुत्र जरूर कुपुत्र हो जाते हैं पर माता कुमाता कभी नहीं होती है यानि बेटा चाहे माँ से कितना भी बुरा हो जाए परन्तु माता का हृदय अपने बेटे के प्रति हमेशा स्नेह एवं वात्सल्य से भरा रहता है ।

हे माँ ! आप सबके ऊपर दया दिखाने वाली तथा सबके मन को उल्लसित करने वाली हो । आप हमारे जीवन रूपी नइया को भँवर से उबारने वाली हो, यानि हमारे दुःख एवं कष्टों से भरी जिंदगी को सुखमय बनाने वाली हो ।

हे माँ ! हम आपसे धन-दौलत और सोना- चाँदी नहीं माँगते हैं, आप हमें अपने चरणों में थोड़ी सी जगह दे दीजिए ताकि हम आपके प्रेम में भावविभोर हो सकें । आप सबके बिगड़ी जिन्दगी को सँवारने वाली हो एवं सबकी लाज की रक्षा करने वाली हो तथा सतियों के सत की भी रक्षा करने वाली तथा सँवारने वाली हो ।

---

**visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions**.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.